

उत्तर प्रदेश में गन्ने से इथेनॉल उत्पादन

चर्चा में क्यों?

27 सितंबर, 2021 को उत्तर प्रदेश के चीनी उद्योग मंत्री सुरेश राणा ने प्रेस वार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश अक्टूबर से शुरू होने वाले अगले गन्ना पैराई सत्र से सीधे गन्ने से इथेनॉल का उत्पादन शुरू करेगा। पेट्रोल के साथ सम्मिश्रण के लिये उपयोग किये जाने वाले इथेनॉल का उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम पपिराइच चीनी मलि गोरखपुर और बलरामपुर चीनी मलि में किया जाएगा।

प्रमुख बटु

- गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने पछिले साल अक्टूबर में गन्ने से सीधे इथेनॉल बनाने का फैसला किया था और पपिराइच चीनी मलि में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया था।
- उत्तर प्रदेश भारत में इथेनॉल का शीर्ष उत्पादक है। यहाँ इथेनॉल का उत्पादन करने वाली 53 डस्टिलरी हैं और वार्षिक स्थापित क्षमता 158.44 करोड़ लीटर है।
- वित्तीय वर्ष 2016-17 में उत्तर प्रदेश ने 42.70 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन किया, जो 2020-21 में बढ़कर 99.31 करोड़ लीटर हो गया। उत्तर प्रदेश में 72 डस्टिलरी हैं, जिनमें 25 स्टैंडअलोन और 47 चीनी मलियों से जुड़ी हैं।
- उन्होंने कहा कि अगले पैराई सत्र 2021-22 के लिये गन्ने के राज्य सलाहकार मूल्य में वृद्धि से किसानों को 4,000 करोड़ रुपए से अधिक का अतिरिक्त लाभ होगा।
- मंत्री राणा ने कहा कि 33,014 करोड़ रुपए की मांग के खिलाफ, चीनी मलियों ने अब तक 2020-21 सीजन के लिये किसानों को 28,015 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। 2017 से 2021 तक, इस साल 21 सितंबर तक किसानों को 1.44 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।
- उन्होंने आगे कहा कि 2016-17 तक गन्ने की तीन कस्मों की खेती की जाती थी, जहाँ अधिक उपज देने वाली शुरुआती कस्म का हिससा केवल 52 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 98 प्रतिशत हो गया है। प्रदेश में गन्ना उत्पादकता 2016-17 में 66 मीटरकि टन प्रति हेक्टेयर थी, जो 2020-21 में 81.05 मीटरकि टन प्रति हेक्टेयर हो गई।
- उद्योग मंत्री ने कहा कि महामारी के दौरान, चीनी मलियों का संचालन बाधित नहीं हुआ और गन्ना, चीनी उत्पादन तथा इथेनॉल के उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर रहा।